



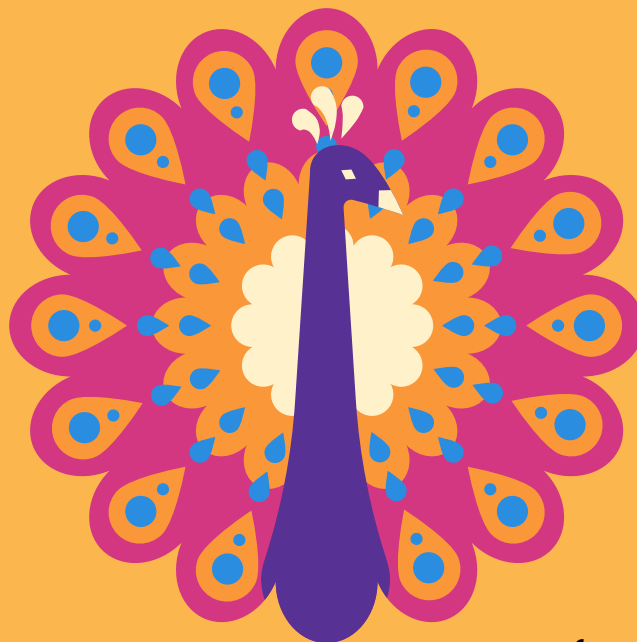
GITARATTAN INSTITUTE OF ADVANCED STUDIES AND TRAINING ABHIVYAKTI

EK MANCH

SESSION 2023-2024



e-magazine



**NAAC Accredited, NCTE Recognised, (GGSIPU
Affiliated) Rohini, Delhi,**

Ph.-011-27052233/44,e-mail infogiast@gmail.com

Poem on Dahej Pratha

Is it normalized to give dowry??

This poem has a piece of my heart considering the fact that it is normalized to give dowry. It is a poem of how women around us only sometimes do certain things or say a lot of things that could result in facing the harsh reality of today's so called modern progressive world.

Here it goes:

And I am thankful for #giast for helping me unleash this hidden talent of mine to our community.

.

Mahalle mai aayi hai nayi bahu
karke aate hai uska bhi welcome

Chale jaan ke toh aaye.. Aakhir aaya kya hai gifts mai aakhir.
Na Na Baap ka laad nhi.. Gifts toh bas naam hai..yeh toh pita aashirwad hai
Hum bhi toh Jaane Kab hui baat pakki.. Rishte wali aunty ne karwai hai baat
pakki ki ya thi woh ajnabi..

Baal kaise, chaal kaisi? Aare rang toh savla toh nhi..
Teekha hai naak ya mirchi hai zubaan.. Khanna banati hai yaa laptop pe bas karti
kaam hai.

Beti ka jaanaa .. Bahu Lana... yeh toh reet purani bas naya naya ek chalan pita ka
aashirwad or ke saath ek lambi car laani hai...

Aare kaale rang wali ha.. i badi gaadi deni hong

Arre gori hai par choti hai kad mai heelein Chahr leke dene hong

Arre love marriage wali hai ab toh saas ko kurbaani deni hogi..

Haye raam hai dusri shaadi.. Yeh toh kadva zeher hai. Bole din raat prabhu ka
Naam arre kitni old fashioned hai..

Choti skirt pehni jaati hai club arre kaafi modern hai.

Pati ke liye banati hai garam garam roti with aachar kya khoob hai iske vichar..

.. Ab hoga sukhi sansar.. Agar hai salary zayda.. Kar do usse na na na.

Suna hai uthi hai late..oh yeh bigdel ghar ki hai.. Subha uthe jaldi... Oh yeh toh
perfect hai

Pair dabaye gala nhi

Dahej de bas naam na le

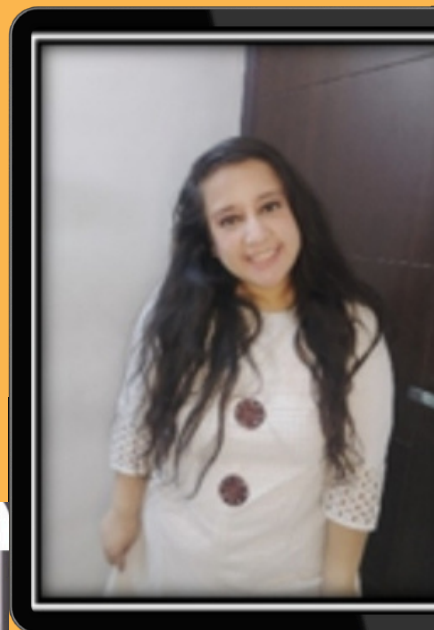
**Arre ee toh biraadri mai ijaat ka sawal hai.
Choti chidiya dekh humne haaami bhar di thi ghar pe.. Dege saari income.. Maa
Baap ko ab tu
bhulegi...**

**Har koi kehta Saas he hai galat par sasur bhi toh involved hai.. Ji unko kehke
bulati hai yaa naam bulati hai?**

**Gift hai Manga nhi.. Yeh toh unka pyaar hai.. Beti di hai toh paal na toh Hume hai
yeh baat koi na jaante.. Kal ko degi pota Hume tabhi uski wah wahi hai.. Agar toh
ho gayi poti galti se arre tu toh banjh he Sahi thi.!**

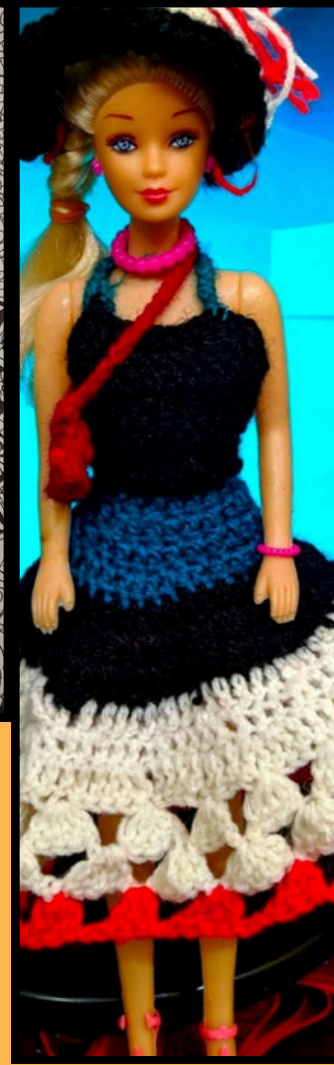
**Kehti toh hai beti bana ke rakhenge.. Hoti vo bahu bhi aaj hai maaa kehte hai jisse
vo bhi aaj pareshaan hai.. Ghar Ki Laxmi hai vo par ghar ki Laxmi pe uska koi
hakk nhi..**

**Jab tak rahegi naak ke neeche aare bahu toh toh mera chaand hai!
Roti roti jaye mayake ek buri leti aana gift ka silsila kabhi na ruke yahi hai humari
kaam na!**



**Written by:
Simran Arneja
B.Ed.
Second Year**

**Muskan
Mallik
second
year**



**Pooja
Singh
B.Ed.
Second
year**



जिंदगी की राह (प्रियंका कुमारी)

जिंदगी की राह...
ना होती है मुश्किल,
ना होती आसान।
सोचो तो कठिन,
करो तो लगता है सरल॥

माना कि मंजिल देखने में
लगता है दूर,
पर हार मानने से पहले,
तू कोशिश करना जरूर॥

मंजिल का क्या?
वो तो मिल ही जाएगा एक दिन
पर तू सफर का आनंद ले।
क्योंकि यदि यह समय चला गया तो
फिर लौटकर नहीं आएगा॥

जिंदगी की राह पर
मिलेंगे कांटे, मिलेंगे चट्टान,
पर तू है मनुष्य, हार मत मान।
कमर कस, एड़ी चौड़ी का जोर लगा,
और चलता जा, चलता जा,
और चलता ही जा...

@rootnerves



Written by
Priyanka Kumari
B.Ed-1(B)



RajBharti Sharma
B.Ed Sec B 1st year



हर समाज की बुराई

घर में ठंडे चूल्हे है...
स्थिति नीली-पीली है...
हरपल साँस छोड़ती दामन...
जवानी जिनकी नशीली है...

Deepa B.Ed
1st year
sec B



ड्रग्स और भारतीय कानून

भारत के संविधान में अनुच्छेद 47 के तहत राज्य को ड्रग्स नियंत्रण, रोकथाम के लिए शक्ति मिली है। कोकीन से लेकर गांजे तक सवा दो सौ से ज़्यादा ऐसे साइकोट्रॉपिक और ड्रग्स की सूची है, जो NDPS एक्ट के तहत प्रतिबंधित हैं। इनके किसी भी तरह के मिश्रण को अगर आप अपने पास रखते हैं, इस्तेमाल करते हैं या किसी तरह भी इसका व्यापार करते हैं, तो आप कानून तोड़ते हैं। और इस कानून को तोड़ने पर आपको सज़ा हो सकती है। सज़ा इस बात पर तय करेगी कि आपने कानून कैसे और कितना तोड़ा है। कुछ विशेष रूप से गंभीर मामलों में अदालतें स्वविवेक से ड्रग्स कारोबार से जुड़े दोषी को मृत्युदंड तक दी गई हैं कुछ उदाहरणों को देखा जा सकता है।

दिसंबर 2007 : मुंबई की एक स्पेशल कोर्ट ने गुलाम मलिक को मौत की सज़ा दी, जिसे 2004 में 142 किलोग्राम हशीश के साथ गिरफ्तार किया गया था।

फरवरी 2008 : पहले 1998 में 40 किलोग्राम चरस और फिर साल 2003 में 28 किलोग्राम चरस के साथ गिरफ्तार किए गए ओंकारनाथ काक को अहमदाबाद सेशन कोर्ट ने मौत की सज़ा दी थी फरवरी 2012 : साल 1998 में 1.02 किलो और फिर 2007 में 10 किलो हेरोइन के साथ पकड़े जाने वाले परमजीत सिंह को चंडीगढ़ की ज़िला कोर्ट ने मृत्युदंड दिया था

ड्रग्स की समस्या का विश्लेषण

जो लोग पहले से ड्रग्स की लत जैसी समस्या झेल रहे हैं उनकी समस्या को धीरे धीरे समाप्त किया जा सकता है और इसका जरिया यह है कि **ड्रग्स का लत** वाला व्यक्ति अपने आप को किसी अन्य कार्य में व्यस्त रखे अर्थात अध्यात्मिक कार्य करना, बाहर घूमना, पर्यटन करना, लोगों से मिलना बातचीत करना या फिर पार्क में जाकर सुबह-सुबह ताजी हवा में एक्सरसाइज करना या ताजी हवा का आनंद लेना इत्यादि क्योंकि लॉकडाउन कोरोनावायर के चलते यह सारी गतिविधियां प्रतिबंधित कर दी गई थी जिसकी वजह से ड्रग्स की लत की समस्या झेल रहे व्यक्तियों में ड्रग्स लेने की प्रवृत्ति और ज्यादा अधिक बढ़ने लगी शारीरिक व्यायाम पर्यटन इत्यादि ना होने के कारण ड्रग्स इनके लिए महत्वपूर्ण हो गया

सामान्य अर्थों में ड्रग्स से आशय उन रासायनिक पदार्थों से है, जिन्हें लेने से मस्तिष्क पर उसकी रासायनिक प्रतिक्रिया होती है तथा शरीर और मन के सामान्य कार्यप्लकलापों पर प्रभाव पड़ता है। ड्रग्स का सामान्य अर्थ दवा या औषधि भले ही है, लेकिन सामाजिक विज्ञान में यह शब्द उन मादक द्रव्यों के लिए प्रयुक्त होता है, जिनका सेवन गैरकानूनी माना जाता है। इन पदार्थों का अधिक मात्रा में बार-बार सेवन किए जाने से जब व्यक्ति के शारीरिक तथा मानसिक कार्यकलापों पर हानिकारक प्रभाव पड़ने लगता है, तो यह अवस्था 'ड्रग अब्यूस' या 'ड्रग एडिक्शन' कहलाती है। विडंबना यह है कि इस अवस्था में पहुंचने वाला कोई भी व्यक्ति प्रायः सामान्य जीवन जीने लायक नहीं रह पाता। वह स्वयं को शारीरिक मानसिक एवं आर्थिक स्तरों पर तबाह कर लेता है। यह एक ऐसी अंधी सुरंग है, जो बर्बादी के मुहाने तक ले जाती है।

भारत में ड्रग्स की समस्या का फैलाव छोटे-छोटे गांवों और कस्बों से लेकर महानगरों तक में है। इस समस्या से जहाँ परिवार विघटित होता है, वहीं समाज संक्रमित होता है, तो राष्ट्र कमजोर होता है। यह मात्र एक सामाजिक समस्या ही नहीं है, अपितु चिकित्सकीय एवं मनोवैज्ञानिक समस्या भी है। एक ऐसा दलदल है, जिसमें धंसने वाला खुद तो तबाह होता ही है, साथ ही उसका पूरा परिवार भी तबाह होता है। पीपीपीपीपी हाल के वर्षों में भारत में मादक पदार्थों की खपत कई गुना बढ़ गई है।

हमारे देश में हर दिन 21 लोग ड्रग की लत से परेशान होकर आत्महत्या कर लेते हैं। ये आंकड़े एनसीआरबी के हैं। 2019 में देशभर में 7 हजार 800 से ज्यादा लोगों ने ड्रग की लत से परेशान होकर आत्महत्या कर ली थी। एनसीआरबी के अनुसार 2017 में बहुत ज्यादा नशा करने की वजह से 745 लोगों की मौत हुई। इसके बाद 2018 में 875 और 2019 में 704 लोगों की मौत हुई। आंकड़ों के अनुसार, सबसे ज्यादा 338 लोगों की मौत राजस्थान में हुई। इसके बाद कर्नाटक में 239 और उत्तर प्रदेश में 236 लोगों की मौत हुई।

SAY NO TO DRUGS



काम ना मिलना कोरोना वायरस और लॉकडाउन के चलते काम ना मिलने के कारण बड़े-बड़े शहरों के मजदूर या फिर काम करने की इच्छा रखने वाले एक मानसिक बीमारी से ग्रस्त होने लगे थे और अपनी इस मानसिक स्थिति को से बाहर आने के लिए उन्होंने ड्रग्स लेना सही समझा

बॉलीवुड का मीथ नायक और नायिका को सबसे ज्यादा महत्वपूर्ण होता है खूबसूरत दिखना शारीरिक पुष्ट दिखना, उर्जात्मक दिखना इसके लिए सबसे ज्यादा जरूरी हो जाती है खान पान (डाइट) और नींद और इन दोनों चिजों को पूरा करने के लिए बॉलीवुड के लोग ड्रग्स का उपयोग करते हैं क्योंकि इसके अंदर या गलत विचार आ गया है कि ड्रग ही एक मात्र सहारा है उन्हें आच्छा दिखने में पर वो ये बात भूल जाते हैं कि ड्रग्स ही एक ऐसी सामाजिक बुराई है जिसे लेने वाला स्वयं अपने आप को समाप्त कर लेता है।

सुझाव : आगे की राह

सीमा और बंदरगाह पर ड्रग्स की सप्लाई पर प्रतिबंध मर्यादा का कोको आईलैंड यहां पर चाइना का आर्मी है चाइना इस पर अपना दावा पेश करता है और यहां से ड्रग्स आता है हमारे उत्तर पूर्वी राज्य में कंबोडिया चाइना लाओस जो गोल्डन ट्रायंगल कहलाते हैं यहां से भी ड्रग्स सप्लाई होता है हमारे उत्तर पूर्वी राज्य में "संयुक्त राष्ट्र के आंकड़ों के अनुसार विगत वर्षों में पाकिस्तान विश्व में हेरोइन, ब्राउन शुगर, स्मैक एवं हशीश के सबसे बड़े उत्पादक व वितरक के रूप में विकसित हुआ है। पाकिस्तान में राजनेता से लेकर बड़े-बड़े फौजी अधिकारी भी ड्रग्स की तस्करी में सहयोग देते हैं।" भारत में प्रवेश करने वाले 80% से अधिक ड्रग्स या नशीले पदार्थ पड़ोसी देश पाकिस्तान से घुसपैठ कर रहे हैं, जिसे एक चौंकाने वाले रहस्योद्घाटन के रूप में देखा जा सकता है। पंजाब के क्षेत्र में पोरस बॉर्डर उसे और मजबूत करने की जरूरत है बंदरगाह राज्यक्षेत्रीय पानी के जहाजों में हमें एक जांच एजेंसी रखनी चाहिए ताकि वह आने वाली सभी जहाजों की जांच पड़ताल करें और ड्रग्स जैसे ज़हर को देश में घुसने ना दे।

कानून और नीतियों में सुधार इतने अधिक कानून और नीति बनाने के बावजूद भी ड्रग्स की समस्या आज भी हमारे देश को झेलना करना पड़ रहा है इसका मतलब कहीं ना कहीं हमारे कानूनों को पुनर्विचार करने की आवश्यकता है और एक सक्त कानून की आवश्यकता है

ड्रग्स के सम्बन्धित जागरूकता अभियान अक्सर एक गाड़ी के द्वारा माइक से बोल कर किया जाता है और इस पर बहुत कम ही लोग ध्यान देते हैं मेरे हिसाब से जागरूकता अभियान चलाना है तो महीने में कम से कम एक बार गांव और शहरों में एक सम्मेलन किया जाना चाहिए और उस सम्मेलन में हर परिवार का एक सदस्य का होना अनिवार्य कर देना चाहिए ऐसा करके हम अपनी जागरूकता अभियान को और अधिक अच्छा और उपयोगी बना सकते हैं और लोगों को ड्रग्स के विनाशकारी परिणाम से अवगत करा सके और यह सब करने की जिम्मेदारी नौकरशाही को देनी चाहिए ताकि वह सरपंच या क्षेत्र मंत्री के साथ मिलकर ऐसे सम्मेलन को करें

शिक्षा व्यवस्था में बदलाव के माध्यम से ड्रग्स को लेकर और लोगों में सतर्कता बढ़ानी चाहिए कई बार ड्रग्स के जाल में बच्चे भी फसने लगते हैं हमें अपनी शिक्षा व्यवस्था में इस समाजिक ज़हर को शामिल करना चाहिए ताकि हर बच्चा इस ड्रग्स की चेन में फसने से बच सके।

जिस प्रकार हम विज्ञान के (पाठ उक्तक) कक्षा आठवीं से लेकर कक्षा 10 तक बच्चों को पढ़ाते हैं उसी पाठ में हमें ड्रग्स को भी सम्मिलित कर लेना चाहिए और तो और विज्ञान जैव विज्ञान के अंदर ड्रग्स को सम्मिलित कर लेना चाहिए यानी इस शैक्षिक माध्यम से हमें यह बताना चाहिए कि ड्रग्स का हमारे शरीर पर क्या हानिकारक प्रभाव पड़ता है ताकि आने वाली पीढ़ी ऐसे ज़हर से अपने आप को बचा सके और जाने अंजाने में ड्रग्स की चेन में ना फसे।

ड्रग्स जैसे ज़हर को समाज से बाहर करना हर व्यक्ति के लिए अनिवार्य हो गया है और सबसे महत्वपूर्ण बात यह कि किसी भी समाज की बुराई को खतम उस सामज के लोग ही कर सकते हैं और ड्रग्स जैसे सामाजिक ज़हर को भी समाज के लोग ही समाप्त कर सकते हैं।



PROFESSIONAL ETHICS OF TEACHER EDUCATORS

A teacher must prepare not only academically sound and competent citizens, but also individuals who are to line up to the desired highest moral standards. Teaching is a framework through which teachers orient, amongst others; enable understanding of what is 'good' or what is 'bad' with reference to daily decision making and choices in life. Teachers are expected on a regular basis to relate and associate with pupils, parents and community as a whole. In light of the power that teachers have especially to make or ruin our society. (Nyerere, 1968; p228), ethical orientation and practices becomes an integral part of teaching profession.

The professional ethics of teacher educator is crucial. It is in this shadow where future teachers are trained. Teacher educators are synonym to the quality of teaching profession. In this direction N.C.T.E (2010) has suggested Code of Professional Ethics for Teachers directing obligation towards:-

Students Parents, community and society profession and colleagues

Development of Professional Ethics

Over the centuries the philosophy of ethics has emerged from the discourse of moral philosophers concerned with human dignity, justice, moral reasoning and the righteousness of human actions in society (Abelson and Nielson, 1967; Fine and Ulrich, 1988). Contemporary ethical theories have evolved with roots in the thinking of such philosophers as David Easton, John Stewart Mill and Jeremy Bentham (Abbott, 1983; Reamer, 1982). This recognition came about as a result of three modern developments (Erickson, 1990). The first was the trials of Nazi physicians at Nuremberg resulting in Nuremberg Code, served as a guide for codes and policies on informed consent in research (Keith-Spiegel, 1983). The Civil Rights Movement of the late 1950's and early 1960's is considered to be the second catalyst for the increased recognition of individual rights in public policy. The third impetus for increased concern for individual rights, according to Tymchuk (1981), was technology. Kessler (1983) adds the consumer movement to the list of forces that focused societal attention on the ethical treatment of persons and influenced changes in what society defines as ethical.

The Problem of Ethics in Teaching Profession

Teaching is one of the few professions which cater to the needs of various sections of society i.e. colleagues, students, community, and teaching profession) with code of ethics related to various areas. The Association for Teacher Educators (ATE, 1996). The Code is framed by three core principles; commitment to students, commitment to aspiring educators, and commitment to the profession.

The alignment between standards and ethical issues serves to be an integral part of the accreditation process for initial and in service teacher educators. Ethical standard reflect the importance of the relationship between teaching professionals and their students, society and people at large. It also confirms that the standards will be recognized and supported by all partners in education.

Somya Kashyap

Somya Kashyap
B.Ed

A Gratitude poem for my teachers

Vanshika
Chaudhary
B.Ed IB



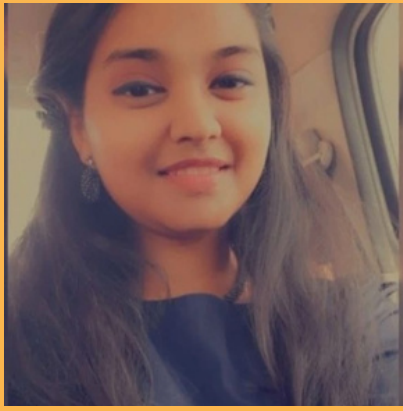
A FREE BIRD, FLYING HIGH.....

Built with twigs and strands of love,
My school nurtured me and taught me all I could learn,
Inspired me to reach out to pure infinity like a dove
Bountiful and boundless and always for the best to
yearn.....
Although exams are near
I have no fear !!!
Because I am well prepared
I preen my feathers and brace myself
To embrace what is beyond belief but possible for an elf
Potential to be embraced which only few dared
Free as a Bird,
Boundless like sea,
Sky is not the limit for me,
Coz my rising higher and higher will be my teachers' glee.

Performance In The Talent Hunt.

Hiyanshi
B.Ed 1st
year
sec B





Sneha Singhal
B.Ed 1st B

"Independence, not just a word but an emotion for me, for being me."

Independence' the longer is the word, the deep and intense is its meaning which essence differs with every soul and sense.

Freedom for me, as a woman in my youth, would not suffice with what constitution gifts.

It broadens with priorities I choose, whether to grow up as dependent or an independent, not with the fear of being captivated inside the home as a prisoner.

I want to live, I want to breathe,
without being afraid of accepting things as a part of my fate.

I want to dress up the way I like,
not the way the society wants me to showcase just as a bride.

The length of the wrap should be the wish of my heart,
and is never allowed to be judged by a brat.

I want to teach the roots of 'YES' and 'NO'
which some of many fails to know.

I wish to have freedom to walk alone,
irrespective of the day, date or time to go.

The silent streets should never hear my cries,
and wants to be brave enough to tear apart whosoever tries

I wish to have freedom to walk alone,
I try to unlock the cringes of the mind,
that demands the concept of a girl and boy being just friends.

I want to erase all the prejudices that depict a woman as weak and
terminate a society which issues a character certificate to every action of
mine.

**do want a world which I can proudly say to be mine, that is
what freedom means to me and my mind.**

#selfcomposed

What we eat today , has definitely an impact on our tomorrow!

**'FOOD' SMALLER IS THE WORD ,
GREATER IS THE ESSENCE
THE MEDIUM OF SUSTAINANCE ,
THE SOURCE OF MAINTAINANCE,
AND ITS WASTAGE IS A CAUSE OF REPENTENCE.**

**THE HEALTHY HARVEST GONNA BE BUMPER,
TASTE IS IRRESISTABLE FOR ALL THE TONGUES,
TWO SIMPLE QUESTIONS THEY WANNA ASK,
CAN WE GET A LITTLE MORE? &
FROM WHERE DID IT CAME FROM?
THE ANSWER REMAINS ONE, THAT WAS AN
'ORGANIC FARM'.**

**IT NOT ONLY EMBRACES THE PALATE ,
BUT ALSO IMPROVES THE INTESTINE,
TO NURTURE A YOUTH THAT IS HEALTHY ,
WEALTHY & FINE.**

**IT'S TIME TO GIVE BACK TO THE BOUNTIFUL GIVERS,
THE PROVIDERS OF AIR WE INHALE , THE WATER USE TO
QUENCH OUR THIRSTS,
AND THE FARMS THAT FILLED THE EMPTY STOMACHS.**

**ALL THAT GRATITUDE , WE HAD ALWAYS FAILED TO
EXPRESS!**

- SELF-COMPOSED

Motivational Shayari

1."जिसमे उबाल हो ऐसा खून चाहिए, जीत के खातिर ऐसा जुनून चाहिए, ये आसमान भी आएगा जमीन पर, बस इरादों में ऐसी गूंज होनी चाहिए!"

2."बेहतर से बेहतर की तलाश करो, मिल जाए नदी तो समंदर की तलाश करो, टूट जाते हैं शीशे पत्थरों की चोट से, तोड़ से पत्थर ऐसे शीशे की तलाश करो"

3."जब टूटने लगे हौंसला तो बस ये याद रखना, बिना मेहनत के हासिल तख्त-ओ-ताज नहीं होते, ढूढ़ लेना अंधेरे में ही मंजिल अपनी दोस्तों, क्योंकि जुगनू कभी रोशनी के मोहताज नहीं होते"

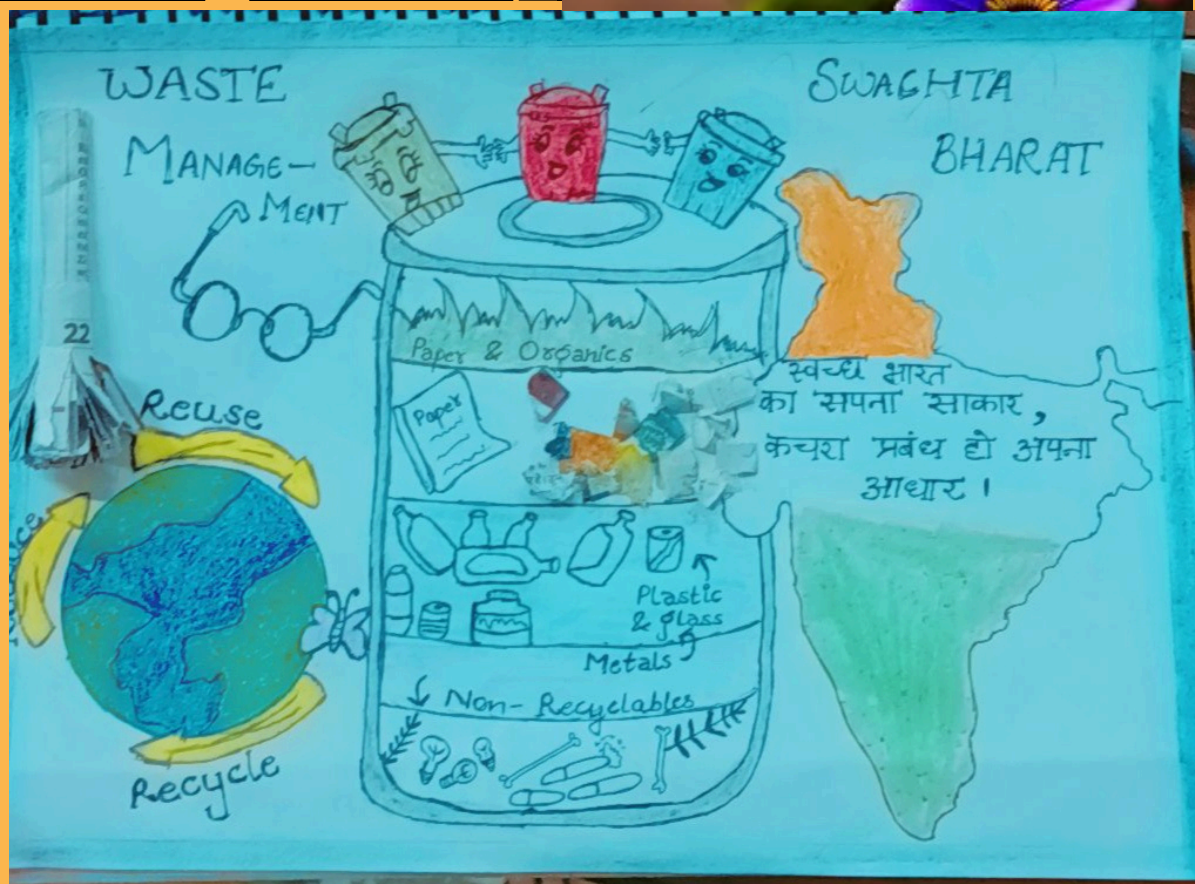


Name: Muskan Khatoon
2nd B



**There is
sufficiency
in the world
for man's
need but not
for man's
greed**

**By : M.K
Gandhi**



By Deepa and Sneha

B.Ed 1st year B

TEACHER'S CORNER



Essence Of Trust

A little girl and her father were crossing a bridge....
The father was little scared so he asked his little daughter,
"Hold my hand so that you don't fall into the river."

The little girl replied, " No Daddy you hold my Hand."

"What's the difference?" Asked her father.

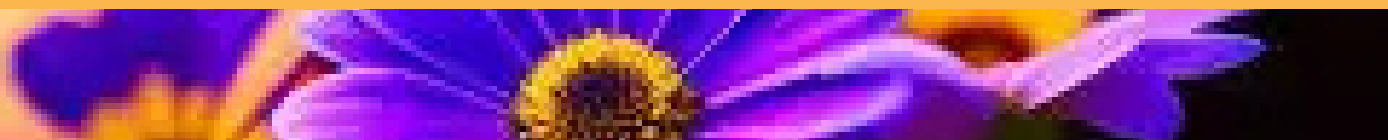
There is a Big difference, replied the girl.

" If I hold your hand and something Happens to me,
chances are that I may let your hand Go.
But if you hold my Hand, I know for sure that no matter
what happens, you will Never let my Hand Go.'

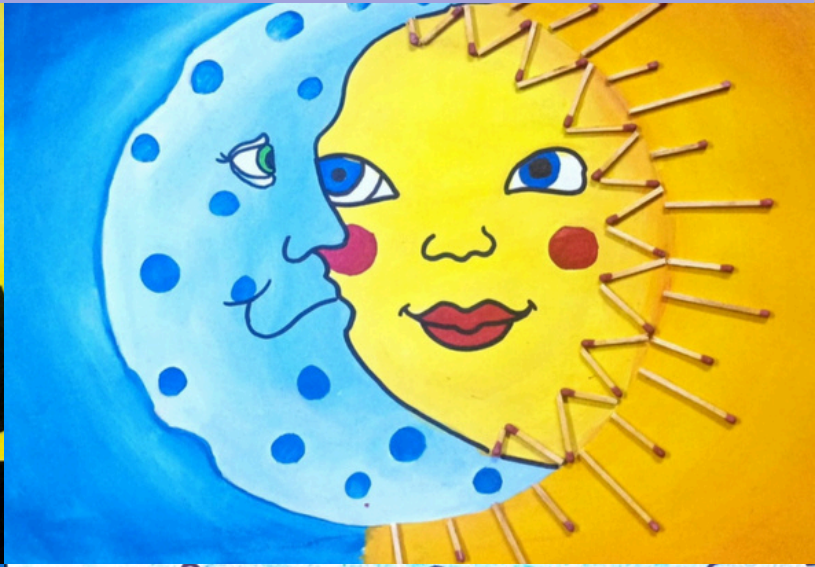
In any relationship, the Essence of trust is not in its Bind,
but in its Bond, So, hold the hand of the person Whom you
Love rather than expecting them to hold Yours.....



Dr. Shikha Ranjan
Associate
Professor, GIAST
B.Ed . Coordintor



Teacher's CORNER



Ms Bhawana Garg Assistant Professor ,GIAST

TEACHER'S CORNER



Ms. Ashima Dhiman Assistant Professor ,GLAST

TEACHER'S CORNER

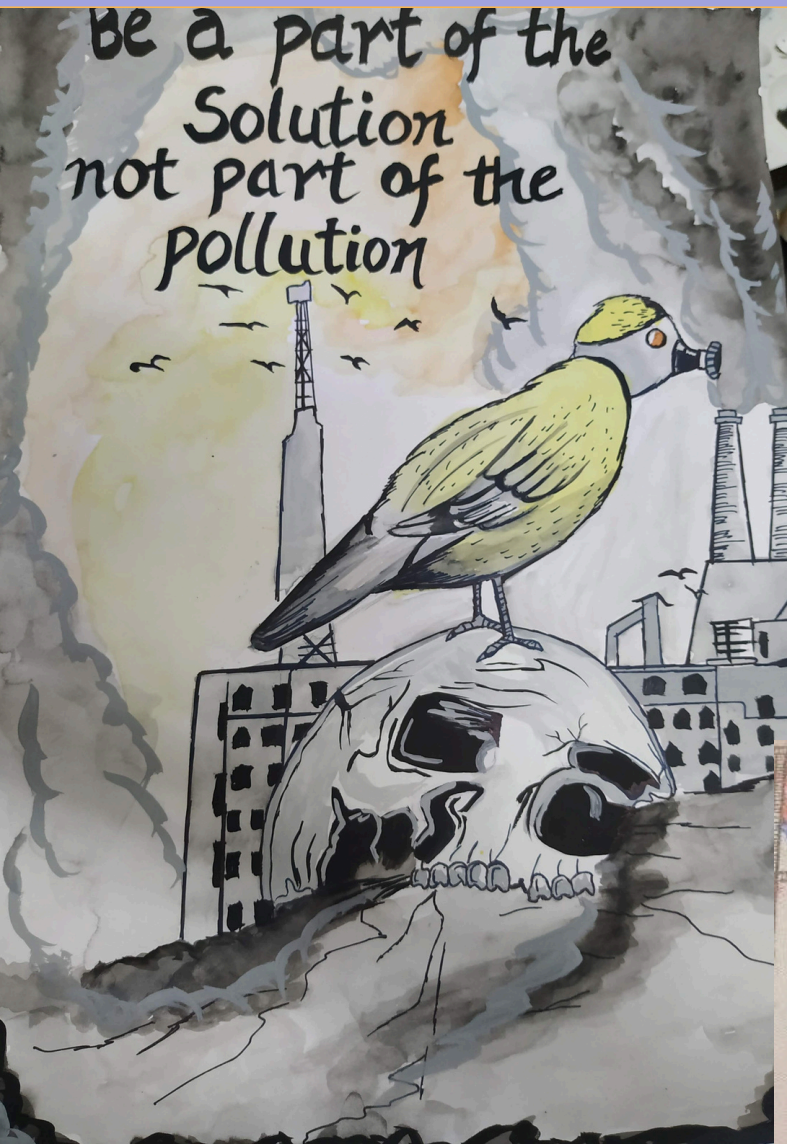
"A Teacher for All Seasons"

A teacher is like Spring,
Who nurtures new green sprouts,
Encourages and leads them,
Whenever they have doubts.
A teacher is like Summer,
Whose sunny temperament
Makes studying a pleasure,
Preventing discontent.
A teacher is like Fall,
With methods crisp and clear,
Lessons of bright colors
And a happy atmosphere.
A teacher is like Winter,
While it's snowing hard outside,
Keeping students comfortable,
As a warm and helpful guide.
Teacher, you do all these things,
With a pleasant attitude;
You're a teacher for all seasons,
And you have my gratitude!

Ms. Ayushi Gautam
Assistant Professor
, GIAST



TEACHER'S CORNER



**BE A PART OF
THE SOLUTION
NOT A PART OF
THE POLLUTION**

**Ms Vandana kumari Assistant
Professor ,GLAST**



TEACHER'S CORNER

“Campus Echoes”

Halls of learning, where minds unfold,
A tapestry rich, with stories untold.
Professors guide, with wisdom's light,
Students strive, through day and night.

Friendships born, in laughter's sway,
Memories crafted, every single day.
Debates rage, with passionate fire,
Dreams take shape, with heart's desire.
Libraries whisper, ancient tales,
Laboratories, where innovation prevails.
Artistic expressions, vibrant hues,
Cultural fusion, in diverse views.

As alumni rise, with knowledge gained,
Their footprints leave, a legacy sustained.
The college spirit, forever bright,
A beacon shines, through morning light.

~**Ms Vandana kumari Assistant
Professor ,GIAST**

TEACHER'S CORNER

The Light Inside Us

There's a light inside us all,
Small or bright, it answers the call.
In darkest times, it leads the way,
Guiding us through night and day.
Life's a path, both rough and smooth,
We walk it slowly, find our truth.
With every step, we learn and grow,
The deeper meaning starts to show.
Though storms may come, and
winds may blow,
The light within will always glow.
So trust the journey, trust the way,
And let your spirit gently sway.



Dr. Shweta Grover
Assistant Professor,
GIAST

TEACHER'S CORNER

Save birds save
the environment
and save ourselves.

SUSTAINABLE
DEVELOPMENT
GOALS



Ms Neha Bajaj ,Assistant
Professor ,GIAST

MANDALA

Each stroke, a meditation

Each colour, a reflection

SAVE BIRDS SAVE
THE
ENVIRONMENT TO
SAVE OURSELVES

SAVE THE
BIRDS

A stylized blue bird is shown in flight, facing left. It has a long, pointed beak and a long tail. The bird is composed of many small, triangular shapes, giving it a mosaic-like appearance. It is holding a small green branch with leaves in its beak.

TEACHER'S CORNER

What makes a good teacher?

What do you think what is the role of a teacher in our life? What are the things that makes your teaching more appreciable?

There are many questions to ask but where to find the answers for them. Is there any book, any encyclopedia which can quench my thirst? Is there anyone who can solve my queries? Any philosopher who can explain me these concepts?

There is no one who will give the exact answer to these questions.

No book can give exact answer to these questions. So here I am writing my views and my experience to answer these queries.

From my point of view, teacher is not only that person who has a degree and who teach us in schools or colleges but anyone who guides us when the time is ripe. Someone who moulds the character to become a better person. She is someone who encourages us and motivates us to fly high when we are falling apart. She is someone who burns herself to light others. There is nothing like a “good teacher” or a “bad teacher”. It depends on our perspective. All teachers are good just they have to be passionate about their teaching and accommodate the perspective of their students. And it is in the hands of the teacher to make their students to fall in love what has been taught in the class. A teacher should put her soul in teaching then only she is able to ignite the mind, heart and soul of her students.

“The test of a good teacher is not how many questions she can ask her pupils that they will answer readily, but how many questions she inspires them to ask her whom she finds it hard to answer”

Ms...Bhawana Garg
Assistant Professor ,GLAST

TEACHER'S CORNER

NOSTALGIA



It's been such a wondrous, wonderful, incredible journey to have been a part of legendary institute for good two years. It is such a vivid memory, that it feels just like yesterday to think of a girl studying in first year of Bachelor of Education, carrying her smile bag and walking towards the GIAST.

The welcoming aura of the place washed away all her initial hesitation in the snap of two fingers. Calling this amazing place simply a college would be a misnomer, because it's not been a college for me, but a family, a homewhere each one of us learnt to take our baby steps of being a teacher and a girl being less on confident, insecurity has grown into a confident outward looking person.



Lastly, I would conclude that GIAST has made me taught "Don't afraid to make mistakes, to stumble, and

tofall because most of the times the greatest reward comes from doing the things that scare you the most".

maybe you all get more than you have ever imagined. Who knows where life will take us? The road is long in the end, every step of the journey is a destination.

And it gives me heartfelt gratitude for giving me the opportunity to get associated and learn at the premises where not long ago, I had the privilege to attend classes as a student. The professional learning and values which I gained during the One and a Half years of association with GIAST will remain my lifetime assets. I would like to convey my very sincere thanks to all my superiors and colleagues for their cooperation and guidance during my tenure. Not everyone is fortunate enough to have an opportunity to witness both life as a student and as a faculty member at the very same pedestal.



**Ms Sansriti
Kashyap
Assistant
Professor,
GIAST**



GITARRATTAN INSTITUTE of ADVANCED STUDIES AND TRAINING

